हिंदी साहित्य का
वर्तमान परिदृश्य
डॉ. शैलजा. के.

ISBN 978-93-91335-50-2

पुस्तक	:	हिन्दी साहित्य का वर्तमान परिदृश्य
लेखिका	:	डॉ. के. शैलजा
प्रकाशक	:	**विद्या प्रकाशन** सी-449, गुजैनी, कानपुर-22 दूरभाष : (0512) 2285003 मो० : 09415133173 Website: www.vidyaprakashankanpur.com E-mail : vidyaprakashan.knp@gmail.com
संस्करण	:	प्रथम 2022
शब्द सज्जा	:	शिखा ग्राफिक्स, कानपुर
मुद्रक	:	अनिका डिजिटल, कानपुर
मूल्य	:	₹ 400/-

Hindi Sahitya Ka Wartman Paridrashya

By : Dr. K. Shailja

Price : Four Hundred Only.

3.

मैत्रेयी पुष्पा की कहानियों में सामाजिक यथार्थ

डॉ. पूर्णिमा आर

सामाजिक यथार्थ युगीन परिस्थितियों पर अवलंबित है। इसे चित्रित करने की ललक हर कहानीकार में होती है। यथार्थ चित्रण में वास्तविक जीवन में उपयोग की जानेवाली कल्पना भी सत्य बन जाती है। वर्तमान समय में पुराने जीवन मूल्य टूट रहे हैं और नए जीवन मूल्य उचित रूप से पनप नहीं पा रहे हैं। समाज में सांप्रदायिकता, वर्ग संघर्ष, जातिवाद, भाषावाद, प्रांतीयता, आर्थिक असंतुलन, शोषण, अन्न का आभाव, बेरोजगारी, महँगाई, भ्रष्ट नेता, राजनीति का अपराधीकरण आदि समस्याओं ने और मानवीय संवेदनशील स्थितियों ने रचनाकारों की संवेदना को झकझोर कर रख दिया है। जब व्यक्ति के बाह्य और आतंरिक रूप को टटोला जाता है,तभी यथार्थ का व्यापक रूप सामने आता है। बाह्य और आतंरिक यथार्थ चेतनाओं का अलग अलग ढंग से आधुनिक काल के दो मनीषियों–मार्क्स और फ्रॉयड– ने प्रमुखता प्रदान की है। मार्क्स ने बाह्य सामाजिक यथार्थ को महत्वपूर्ण माना है जबकि फ्रायड ने अंतर्मन को सत्य माना है। हिन्दी साहित्य में भी अनेक ऐसे रचनाकार हुए हैं, जिन्होंने आतंरिक और बाह्य सामाजिक चेतना को एकीकृत करके अपनी रचना को गढ़ा है। उनमें से एक है मैत्रेयी पुष्पा।

मैत्रेयी पुष्पा एक ऐसी लेखिका हैं जो बीसवीं सदी के दसवें दशक में साहित्य जगत में उतरकर समूचे हिन्दी साहित्यिक परिदृश्य पर छा गई हैं। मैत्रेयी का कथा–साहित्य युग का प्रतिबिंब है। सामाजिक प्राणी होने के नाते साहित्यकार अपने युग के प्रत्येक पक्ष को समीक्षापरक दृष्टि से देखता–परखता है। समाज के लगभग सभी आयामों को मैत्रेयी पुष्पा ने अपने कथा साहित्य का विषय बनाया है। अपने कथा साहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थितियों को परिलक्षित किया है। कहानी साहित्य में भी सामाजिक जीवन की लगभग सभी पहलुओं